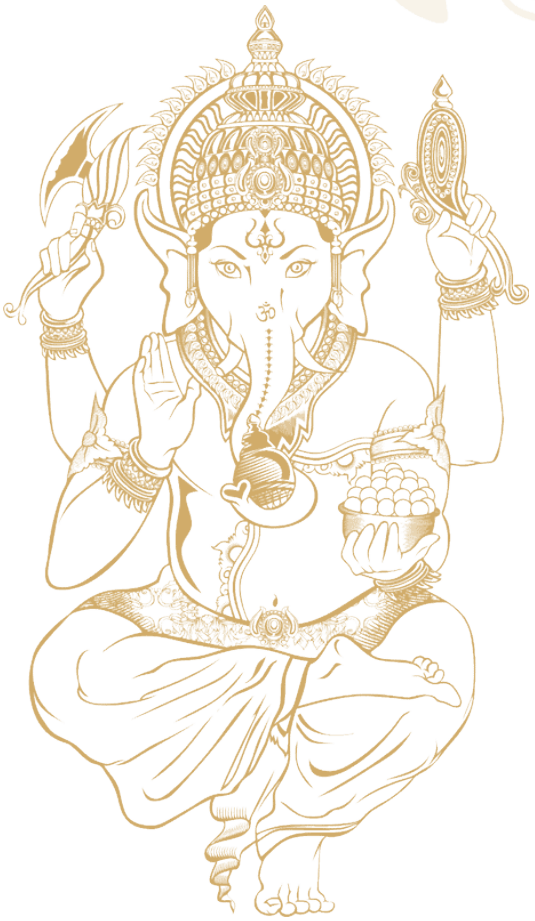

05 Jul 1998

12:30 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121173502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**4-05/07/1998**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**00:30:00 घंटे**
इष्ट	48:26:07 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:33:32 घंटे
वेलान्तर	-00:04:19 घंटे
साम्पातिक काल	19:23:52 घंटे
सूर्योदय	05:07:33 घंटे
सूर्यास्त	18:53:51 घंटे
दिनमान	13:46:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	18:45:47 मिथुन
लग्न के अंश	04:45:58 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:45:58	471:20:39	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	18:45:47	00:57:11	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	सम राशि
चंद्र			तुला	21:45:00	12:04:02	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	05:05:36	00:40:41	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
बुध			कर्क	12:03:27	01:28:47	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु			मीन	03:56:25	00:02:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			वृष	18:22:50	01:11:33	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि			मेष	08:18:43	00:04:05	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	08:57:58	00:05:23	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	08:57:58	00:05:23	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:02:29	00:01:59	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:26:32	00:01:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:55:22	00:01:13	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	25:32:01	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:03

लग्न-चलित

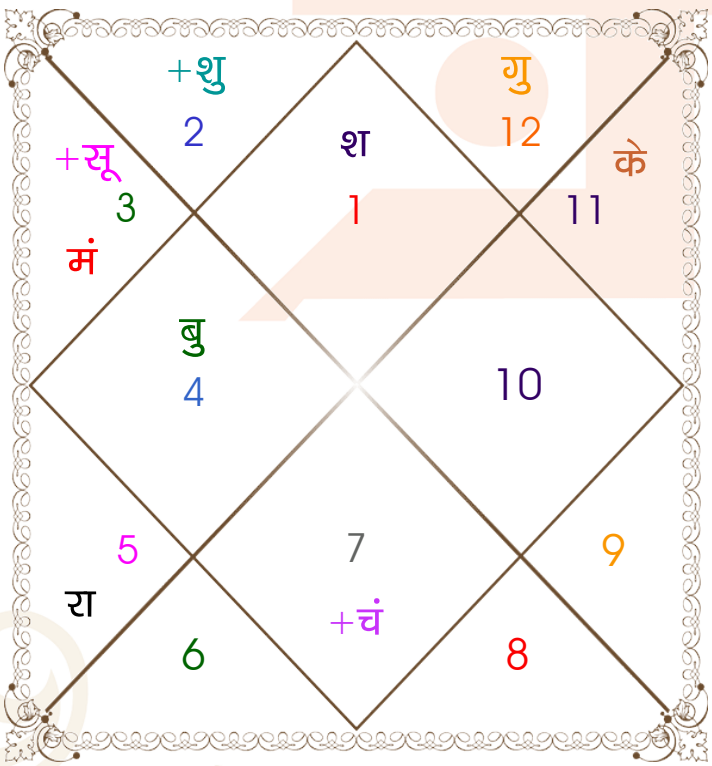

चन्द्र कुंडली

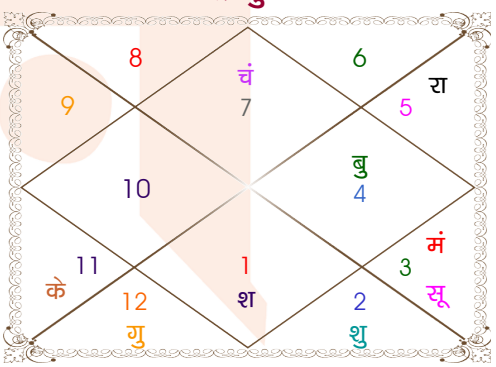

नवमांश कुंडली

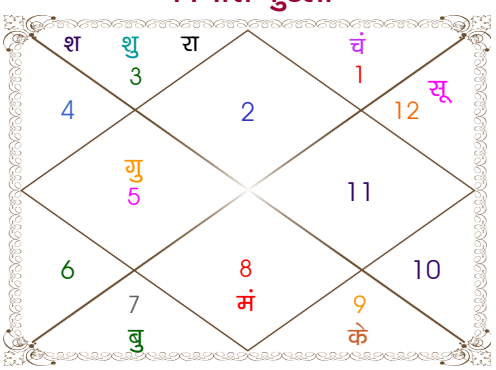

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 10 मास 24 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/07/1998		29/05/2012		29/05/2031		29/05/2048		29/05/2055	
29/05/2012		29/05/2031		29/05/2048		29/05/2055		29/05/2075	
गुरु	17/07/1998	शनि	01/06/2015	बुध	25/10/2033	केतु	25/10/2048	शुक्र	28/09/2058
शनि	27/01/2001	बुध	08/02/2018	केतु	22/10/2034	शुक्र	25/12/2049	सूर्य	28/09/2059
बुध	05/05/2003	केतु	20/03/2019	शुक्र	22/08/2037	सूर्य	02/05/2050	चंद्र	29/05/2061
केतु	10/04/2004	शुक्र	20/05/2022	सूर्य	28/06/2038	चंद्र	01/12/2050	मंगल	29/07/2062
शुक्र	10/12/2006	सूर्य	02/05/2023	चंद्र	28/11/2039	मंगल	29/04/2051	राहु	29/07/2065
सूर्य	28/09/2007	चंद्र	30/11/2024	मंगल	24/11/2040	राहु	16/05/2052	गुरु	29/03/2068
चंद्र	27/01/2009	मंगल	09/01/2026	राहु	14/06/2043	गुरु	22/04/2053	शनि	29/05/2071
मंगल	03/01/2010	राहु	15/11/2028	गुरु	18/09/2045	शनि	01/06/2054	बुध	29/03/2074
राहु	29/05/2012	गुरु	29/05/2031	शनि	29/05/2048	बुध	29/05/2055	केतु	29/05/2075

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/05/2075		29/05/2081		29/05/2091		29/05/2098		30/05/2116	
29/05/2081		29/05/2091		29/05/2098		30/05/2116		00/00/0000	
सूर्य	16/09/2075	चंद्र	29/03/2082	मंगल	25/10/2091	राहु	09/02/2101	गुरु	06/07/2118
चंद्र	16/03/2076	मंगल	28/10/2082	राहु	12/11/2092	गुरु	06/07/2103		00/00/0000
मंगल	22/07/2076	राहु	28/04/2084	गुरु	19/10/2093	शनि	12/05/2106		00/00/0000
राहु	16/06/2077	गुरु	28/08/2085	शनि	28/11/2094	बुध	28/11/2108		00/00/0000
गुरु	04/04/2078	शनि	29/03/2087	बुध	25/11/2095	केतु	17/12/2109		00/00/0000
शनि	17/03/2079	बुध	28/08/2088	केतु	22/04/2096	शुक्र	16/12/2112		00/00/0000
बुध	22/01/2080	केतु	29/03/2089	शुक्र	22/06/2097	सूर्य	10/11/2113		00/00/0000
केतु	29/05/2080	शुक्र	28/11/2090	सूर्य	28/10/2097	चंद्र	12/05/2115		00/00/0000
शुक्र	29/05/2081	सूर्य	29/05/2091	चंद्र	29/05/2098	मंगल	30/05/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।